



## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 फरवरी, 2021

### स्वामी दयानंद सरस्वती

12 फरवरी, 2021 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दयानंद सरस्वती एक महान विचारक और एक सुवर्ध्यात समाज सुधारक थे। स्वामी दयानंद सरस्वती न केवल भारत के जाने-माने धार्मिक नेता थे, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव भी डाला। उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की, जिसने भारतीयों की धार्मिक धारणा में प्रमुखता से बदलाव किया। उन्होंने मूर्तपूजा और कर्मकांड के वरिद्ध आवाज़ उठाई, साथ ही इसका पुरजोर वरिध भी किया। दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 को टंकारा, गुजरात में हुआ था। स्वामी दयानंद सरस्वती को पुनर्जागरण युग का हृदय मार्टिन लूथर कहा जाता है। उनके द्वारा रचित 'सत्यार्थ प्रकाश' और स्थापित 'आर्य समाज' संदेश देते हैं कि वेदों की और लौटो तथा भारत की प्रभुता को समझो। उन्होंने व्यक्तगत उत्थान के स्थान पर सामूहिक उत्थान को अधिक महत्त्व दिया। 7 अप्रैल, 1875 को दयानंद सरस्वती ने बॉम्बे में आर्य समाज का गठन किया। आर्य समाज का प्राथमिक उद्देश्य ज्ञान के स्रोत के रूप में वेदों की स्थापना करना और हृदय धर्म को काल्पनिक मान्यताओं से दूर ले जाना है। स्वामी दयानंद सरस्वती का मानना था कि ज्ञान की कमी ही हृदय धर्म में फैले अंधविश्वास का मूल कारण है। इसलिये उन्होंने अपने अनुयायियों को शक्ति करने के लिये कई गुरुकुलों की स्थापना की। उनके वरिद्ध रचे गए एक षड्यंत्र के कारण 30 अक्टूबर, 1883 को दयानंद सरस्वती की मृत्यु हो गई।

### कर्नाटक डजिटल अर्थव्यवस्था मशिन

हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कर्नाटक डजिटल अर्थव्यवस्था मशिन (KDEM) लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में डजिटल अर्थव्यवस्था के योगदान को 30 प्रतिशत तक बढ़ाना है। कर्नाटक डजिटल अर्थव्यवस्था मशिन के माध्यम से राज्य में 7,000 से अधिक छोटी-बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों को बढ़ावा दिया जाना है। इस मशिन के तहत कर्नाटक के तकनीकी उद्योग और राज्यों की ब्रांड इक्विटी बढ़ाने हेतु वैश्विक कनेक्शन के लिये 'इंवेस्टमेंट इंडिया' मॉडल का उपयोग किया जाएगा। ज्ञात हो कि राज्य में आगामी पाँच वर्षों में कुल 150 बिलियन डॉलर के आईटी निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कर्नाटक डजिटल अर्थव्यवस्था मशिन को इस उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है कि इसमें अधिकांश हस्तिसेदारी (49:51 शेयरधारिता के साथ) नज्जि क्षेत्र को दी गई है। यह मशिन सरकार और उद्योग के बीच एक महत्त्वपूर्ण सूत्रधार के रूप में कार्य करेगा। इस मशिन के तहत शक्ति और उद्योग जगत के बीच सहयोग पर भी ध्यान दिया जाएगा।

### मल्लिकार्जुन खड्गे

काँग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड्गे राज्यसभा में वपिक्ष के नेता के रूप में गुलाम नबी आज़ाद का स्थान लेंगे। ध्यातव्य है कि 15 फरवरी, 2021 को गुलाम नबी आज़ाद के सेवानिवृत्त होने के बाद राज्यसभा में वपिक्ष के नेता का पद खाली हो गया था। कर्नाटक से आने वाले काँग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड्गे वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक लोकसभा में काँग्रेस के नेता रहे। भारत के सबसे पुराने दलों में से एक काँग्रेस को पछिली और वर्तमान लोकसभा में वपिक्ष के नेता का पद नहीं मलि सका था, क्योंकि नचिले सदन में उसका प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम था। मल्लिकार्जुन खड्गे कर्नाटक से राज्यसभा में दूसरे वपिक्ष के नेता होंगे, कर्नाटक से राज्यसभा में वपिक्ष के पहले नेता एम.एस. गुरुपादस्वामी थे।

### वशिव रेडियो दविस

वशिव भर में प्रत्येक वर्ष 13 फरवरी को वशिव रेडियो दविस के रूप में मनाया जाता है। इस दविस का उद्देश्य रेडियो को बढ़ावा देना और आम लोगों को इसका उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित करना है। यह दविस जनसंपर्क में रेडियो के महत्त्व को रेखांकित करता है और प्रसारकों के बीच नेटवर्क एवं सहयोग बढ़ाने पर जोर देता है। 20 अक्टूबर, 2010 को स्पेनिश रेडियो अकादमी के अनुरोध पर स्पेन ने संयुक्त राष्ट्र में रेडियो को समर्पित वशिव दविस मनाने के लिये सदस्य देशों से अपील की। इसके बाद UNESCO ने 3 नवंबर, 2011 को पेरिस में आयोजित 36वीं आमसभा में प्रत्येक वर्ष 13 फरवरी को वशिव रेडियो दविस मनाने का ऐलान किया। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को ही संयुक्त राष्ट्र के 'रेडियो UNO' की वर्षगाँठ भी है, क्योंकि वर्ष 1946 में इसी दिनी वहाँ रेडियो स्टेशन स्थापित हुआ था।

